DAINIK BHASKAR, Surat, 7.7.2023
Page No. 12, Size:(18.30)cms X (15.99)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

जापान से आने वाली शिंकासेन ई-5 श्रेणी की बुलेट ट्रेन में भारतीय तापमान के अनुरूप बदलाव किया जाएगा

अहमदाबाद-मुंबई के बीच चलेगी 60 वर्ष में शून्य दुर्घटना दर वाली शिंकासेन बुलेट ट्रेन

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए 508 किमी के रूट पर काम में तेजी, 209 किमी में पिलर खड़े कर दिए

बुलेट ट्रेन का पहला सेट सूरत के रोलिंग स्टॉक डिपो में लाने की तैयारियां शुरू कर दी गई है

बुलेट ट्रेन में दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर की जगह, लगेज रैक्स, फोल्डिंग बेड समेत अन्य सुविधाएं होंगी

भास्कर Breaking

लवकुश मिश्रा | सूरत

अहमदाबाद-मुंबई के बीच 508 किमी रूट पर बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट तेजी से बढ़ रहा है। 70 किमी रूट पर वाइडक्ट बनाने को गर्डर बिछा ली गई है। 209 किमी रूट पर पिलर खड़े किए गए हैं। अब उत्सुकता है कि भारतीय बुलेट ट्रेन कैसी होगी। एनएचएसआरसीएल (नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन) ने तैयारी शुरू की है। भारतीय बुलेट ट्रेन के प्रकार और यात्री सुविधाओं के विषय में प्रारंभिक अध्ययन हो चुका है। एनएचएसआरसीएल से मिले यूआईसी डेटा के मुताबिक, भारतीय बुलेट ट्रेन फ्रांस और जर्मनी की हाई स्पीड ट्रेनों से ज्यादा बेहतर होगी, क्योंकि ट्रेन 3.35 मीटर चौड़ी और यात्रियों की क्षमता बढ़ाने वाली है।

अध्ययन में बताया गया है कि जापान से शिंकासेन ई-5 श्रेणी की बुलेट ट्रेन क्यों लाई जा रही हैं। कहा जाता है कि शिंकासेन सबसे सुरक्षित ट्रेन है, जिसमें 60 वर्षों में 0 दुर्घटनाएं दर्ज हैं। यह समय पर पहुंचने के लिए भी दुनिया में प्रसिद्ध है। भारत के उच्च तापमान और धूल भरी परिस्थितियों को समायोजित करने के लिए ट्रेनों के उपकरण और एयर कंडीशनिंग सिस्टम में बदलाव किए जाएंगे। इसका प्रारंभिक अध्ययन पूरा हो गया है। भारतीय बुलेट ट्रेन का पहला सेट सूरत रोलिंग स्टॉक डिपो में पहुंचेगा। डिपो का काम तेजी से चल रहा है। लाइन का निर्माण भी शुरू हो गया है।

फ्रांस-जर्मनी की बुलेट ट्रेनों से यात्री क्षमता अधिक होगी

भारत | अहमदाबाद-मुंबई के बीच दौड़ने वाली शिंकासेन ट्रेन

फ्रांस | हर साल इस ट्रेन नेटवर्क में 11 करोड़ लोग सफर करते हैं

जर्मनी | वर्तमान में 315 ट्रेन सेट का उपयोग किया जा रहा है

भारत की शिंकासेन ट्रेनों को चौड़ा किया जाएगा, जिससे 10 कोच वाली एक ट्रेन में 690 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था की सकेगी।

	भारत	फ्रांस	जर्मनी
ऑपरेटिंग स्पीड	320 किमी/घंटा	320 किमी/घंटा	320 किमी/घंटा
पैसेंजर कैपेसिटी	690 यात्री बैठ सकेंगे	357 यात्री बैठ सकेंगे	444 यात्री बैठ सकेंगे
रोलिंग स्टॉक	10 कोच	टीजीवी 8 कोच	आईसीई 407 सीरीज, 8 कोच
चौड़ाई	3.35 मीटर	2.90 मीटर	2.95 मीटर

सूरत के नियोल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 2.58 किमी लंबे 33.14 हेक्टेयर क्षेत्र में बुलेट ट्रेन के लिए मेंटेनेंस डिपो बनाया जा रहा है। यहां से दो किमी की दूरी पर अंत्रोली में बुलेट ट्रेन के स्टापेज के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्टेशन तैयार किया जा रहा है।

अहमदाबाद-मुंबई के बीच दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन में होंगी ये खास सुविधाएं

- बीमार व्यक्तियों और बच्चों को खिलाने वाली महिलाओं और ऐसे अन्य उद्देश्यों के लिए फोल्डिंग बेड, लगेज रैक्स, मिरर्स आदि के साथ बहुउद्देश्यीय कमरों का प्रावधान
- **आधुनिक शौचालय और वॉशरूम**
- विकलांगों के लिए व्हीलचेयर की जगह और अलग शौचालय, वॉशरूम
- **ट्रेन जब टनल से गुजरे तब हवा के दबाव में होने वाले बदलाव को कम करने के लिए एयर टाइट बॉडी और प्रेशराइज्ड केबिन को डिजाइन किया गया है, जिससे यात्रियों को कान के दर्द से बचाया जा सके।**
- टनल से बाहर निकलते समय सूक्ष्म दबाव, तरंगों के कारण उत्पन्न होने वाले शोर को कम करने और तेज व उच्च गति प्राप्त करने के लिए एयरोडाइनेमिक डिजाइन।